>

Title: Need to allow movemement of traffic on Tehri Dam.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति महोदय, आपकी अनुमति से मैं यहां से बोलना चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान उत्तराखंड के टिहरी बांध की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। पर्वत, वादियों के बीच टिहरी बांध से एक हजार मेगावाट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। विश्व भर के प्रसिद्ध बांधों पर वाहनों आवागमन हो रहा है, परंतु टिहरी बांध पर वाहनों का आवागमन आज तक प्रतिबंधित है।

आदरणीय महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान उत्तराखण्ड के टिहरी बांध की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पर्वतीय वादियों के बीच टिहरी बांध से 1000 मेगावाट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। विश्वभर के प्रसिद्ध बांधों पर वाहनों का आवागमन हो रहा है। परन्तु टिहरी बांध पर वाहनों का आवागमन आज तक प्रतिबंधित है।

टिहरी बांध पर वाहनो के आवागमन से लगभग 14 किलोमीटर का रास्ता भगीरथीपुरम से भैंतोगी खाला, टिपरी तक कम हो जाएगा। वर्तमान में जो रास्ता प्रचलन में है, वहां जीरो प्वाईट क्षेत्र के डैम साईड पर सड़क धंस रही है। बरसात में वहां पहले से ही काफी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं तथा आज भी दुर्घटना का भय बना रहता है। यह एक मुख्य मार्ग है जो घनसाली होते हुए श्री केदारनाथ धाम को तथा श्रीनगर होते हुए बद्रीनाथ को जाता है। यह मार्ग बार्डर एरिया को टच करता है। प्रशासन कहता है कि सुरक्षा के कारण इस मार्ग पर यातायात आवागमन बंद कर रखा है। परन्तु प्रचलित रास्ते पर अवरोध आने से इस मार्ग को यातायात के लिए खोला जाता है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि जिस प्रकार फाइव स्टार होटल तथा अन्य महत्वपूर्ण भवनों में गाड़ियों का प्रवेश सघन सुरक्षा जांच के द्वारा किया जाता है, उसी प्रकार टिहरी बांध पर भी सघन सुरक्षा जांच करने के पश्चात स्थानीय वाहनों के आवागमन के लिए खोल देना चाहिए। इससे न सिर्फ समय की बचत होगी साथ ही साथ ईंधन का खर्चा भी कम होगा तथा लोग सुरक्षित यात्रा कर सकेंगे।